संपन्न अमेरिका में जीने की कीमत : एक

जहां हर तीसरे सेकंड एक अपराध होता है !

अरीब सवा तीन लाख की आबादी वाले शहर शारलॉट में ३० प्रतिशत अश्वेत नागरिक हैं। मगर शहर के चार सेक्रेटेड अलार्मों में अब तक भी कोई अश्वेत नागरिक सदस्य नहीं बन सका है। अश्वेतों के चर्च में भी कोई श्वेत नागरिक नहीं जाता।

भारत में आए दिन हत्या, डकैती, बलात्कार जैसे अपराधों पर गहरी चिंता व्यक्त करने वाले लोगों को शायद यह जानकर आश्चर्य होगा कि दुनिया की सर्वाधिक विकसित और सम्पन्न देश अमेरिका में हर २१ सेकंड में एक हिंसक अपराध होता है। हर तीसरे सेकंड में एक आर्थिक गड़बड़ी का अपराध दर्ज होता है। हर ४८ वें सेकंड में एक डकैती होती है। हर २४ वें मिनट में एक हत्या हो जाती है।हर छठे मिनट में किसी महिला के साथ बलात्कार का प्रयास दर्ज होता है। औसत अमेरिकी नागरिक की आय बीस हजार डालर से अधिक है, लेकिन हर दसवें सेकंड में चोरबाजारी होती है और हर चौथे सेकंड में तस्करी का एक मामला दर्ज होता है। हर २६ वें सेकंड में एक मोटर गाड़ी चोरी हो जाती है। हर ३८ वें सेकंड में एक व्यक्ति पर प्राणघातक हमला होता है।

■ अमेरिका से लौटकर
आलोक मेहता

ये आंकड़े अनुमानों पर आधारित नहीं हैं। अमेरिकी फेडरल ब्यूरो आफ इनवेस्टिगेशन (एफ.बी.आई.) के वरिष्ठ अधिकारी रिचर्ड स्मैथ ने वाशिंगटन में इन सनसनीखेज को बताया है। एफ.बी.आई. पर बढ़ते काम के बोझ की चर्चा करते हुए रिचर्ड स्मैथ ने ये चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिका में हर साल अपराधों की संख्या बढ़ती जा रही है। साल में विभिन्न अपराधों के कारण एक करोड़ ३२ लाख प्रकरण दर्ज होते हैं।

स्मैथ ने एक विडम्बना जन्य यह भी बताया कि बड़े शहरों और उपनगरों में अपराधों की घटनाएं बढ़ रही हैं। लेकिन ग्रामीण बस्तियों में अपराधों की संख्या कम हो रही है। हत्या के आरोप में गिरफ्तार होने वालों में ५० प्रतिशत श्वेत नागरिक होते हैं। देश की हर एक लाख महिलाओं में से ७५ बलात्कार की शिकार हैं। बलात्कार करने वालों में भी ५० प्रतिशत गोरे होते हैं। बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार होने वालों में ५२ प्रतिशत श्वेत लोग होते हैं। करीब ४५ प्रतिशत बलात्कारी २४ साल से कम उम्र के होते हैं।

घटनाएं दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में अधिक हैं। इन घटनाओं में गिरफ्तार होने वाले अपराधियों में ६२ प्रतिशत श्वेत होते हैं।'

अमेरिका के मोटर गाड़ी मंत्री श्री ने कोई कमी नहीं है, फिर मोटर और चोरी बराबर है।' स्मैथ ने उत्तर दिया, 'मोटर गाड़ी चोरी करने वालों में से ५८ प्रतिशत २१ साल से कम उम्र के किशोर होते हैं। कार चोरी करने वाले अपराधियों में ६५ प्रतिशत गोरे होते हैं।'

अमेरिकी समाज में व्याप्त से भी अधिक अपराध होना प्रशासन की भारत नहीं आती जा सकती। श्री. मेरी वाज को भुगत कर रहे विदेश मंत्रालय के भूतपूर्व अधिकारी कॉलिन लेकाउस्का की ऐक बात अच्छा पते लगी कि अमेरिका में पुलिस वालों पर आक्रमण-आक्रमण करने वाले विकारी से सामान्य अपराध दर्ज कर लेता है। लेकिन यह है कि अमेरिकी नागरिक अपने अधिकारों के प्रति बहुत जागरूक होते हैं। कोई भी अपने अधिकारों का अतिक्रमण होता है वे अदालत की शरण ले लेते हैं।

अपराधों के बीच 'डाक्टरजी' का सहारा

स्वतंत्रता के लिए जिसने बड़ी कुर्बानी दी स्वतंत्र जाने वैसा है। इस बीच, विस्तर से निकलकर घर दफ्तर जाएं, कोई नहीं जानता। न्यूयार्क के एक डाक्टर वधू गार्डन ने अपने एक परिचित भारतीय परिवार को एक शाम भोजन पर आमंत्रित किया। उसने निमंत्रण स्वीकार कर लिया। लेकिन इस भोजन के लिए हमारे सामने एक अजीब शर्त रखी गई कि यदि भोजन करने जाएंगे तो रात को वापस लौटकर जाने की नहीं सोचेंगे। डाक्टर ने कहा कि रात को उपनगरीय रेल या टैक्सी से वापस लौटना तब तहुंचने में जान का खतरा है। इस खतरे और दुरे को देखते हुए परिवार का कोई सदस्य अपनी गाड़ी से छोड़ने जाने की जिम्मा नहीं कर सकता।

सामने लंबे खाने तो और खाना खेने से पहले ही परिचित मेजबान के विधु नगर के किसी बैंक कार्यालय में पहुंच गए। परिचय प्रकाशक की जिम्मेदारी सम्भालने वाले विधु भाई कंप्यूटर पर अपने काम में लगे हुए थे। उन्होंने कंप्यूटर से ही जुड़े टेलीफोन से अपने निवास के पास वाले टैक्सी स्टैंड को फोन करके टैक्सी मंगवाई। उनका कहना था कि इस तरह टैक्सी आने से करीब एक घंटा लगता होगा, लेकिन डेलेरा से जाने के बाद अगला टैक्सी में जाना भी खतरनाक है!

न्यूयार्क की चकाचौंध और सम्पन्नता की ओर में रहने वाले भारतीयों को अमेरिका से सेक्रेक संघर्ष एक सुखद अनुभव है। यूरोपीय देशों से अधिकांश भारतीय परिवारों ने अपने-जिसे नजर आते हैं। लेकिन न्यूयार्क में पूरी दुनिया सिमटे देखने को मिलती। विधु भाई के घर में प्रवेश करते ही कोई अपने जूते निकालने पड़े। २०-२५ वर्ष पहले न्यूयार्क में उतार बसे इस परिवार के सदस्य भारी व्यवहार से आधुनिक हैं, लेकिन घर में छोटा-सा 'डाकुरजी' का मंदिर है। डाकुरजी भोजन होता है। ३६ वर्षीय विधु भाई न्यूयार्क के एक आधुनिक अस्पताल में ऊंचे पोस्ट हैं, लेकिन आज तक शराब नहीं पी है। वे मेजबान ने पूछे गए सवाल पर बताया कि सामान्य अमेरिकी घरों से भी शराब नहीं पी जाती है।

सामने उपस्थित अपराधों की सूचना ४ बजे विधु भाई के बच्चों से 'डाकुरजी-प्रार्थना' का वैसा करने की आग्रह करता हुआ। बाद में पता चला कि दो-तीन घंटे पहले